श्री दीवान कृष्ण किशोर
सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज
एवं शोध संस्थान
जगाधरी रोड, अम्बाला, हरियाणा - 133001.

[अधीन शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार एवं संबद्ध केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली]

उत्तरक्षेत्रीय रूपक महोत्सव 2026

संस्कृत जगत में भारत की लब्धप्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्था केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्रतिवर्ष 'रूपक महोत्सव' का आयोजन क्षेत्रवार (पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण) स्तर पर होता आया है। यह महोत्सव विद्यार्थियों में सामाजिक, साहित्यिक, कलात्मक और भावनात्मक विकास के लिए तथा युवाओं के बहुआयामी विकास के लिए एक शक्तिशाली और आवश्यक मञ्च प्रदान करते हैं। ये आयोजन युवाओं की मानसिक सुदृढता और साहित्यिक कलाओं में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक क्षेत्रीय स्तर का मञ्च प्रदान करते हैं। यह महोत्सव संस्कृत भाषा में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को क्षेत्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और महाविद्यालय का नाम रोशन करने में सहायक होते हैं।

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष केद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "उत्तर क्षेत्रीय रूपक महोत्सव" दिनांक 29-30 जनवरी 2026 को वेदव्यास परिसर बलाहार, हिमाचल प्रदेश में आयोजित किया गया। उत्तर क्षेत्रीय रूपक महोत्सव में पाँच राज्यों (उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश) से चार परिसरों (श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, वेद व्यास परिसर, रणवीर परिसर एवं गंगानाथ झा परिसर) एवं तीन आदर्श महाविद्यालय (श्री दीवान कृष्ण किशोर सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज, हरियाणा, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हिमाचल प्रदेश एवं भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, उत्तराखंड) ने आधुनिक नाटकों का अभिनय प्रस्तुत किया।

इस रूपक महोत्सव में श्री दीवान कृष्ण किशोर सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज,

अम्बाला छावनी, हरियाणा, के छात्रों ने अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज की। महाविद्यालय के नाट्यदल में कुल 16 छात्र - छात्राओं ने भाग ग्रहण किया। महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य डॉ विष्णु दत्त शर्मा जी के सक्रिय मार्गदर्शन में संयोजक डॉ. बुद्धिबल्लभ देवराड़ी एवं संयोजिका डॉ. रेणू वत्स के द्वारा "संस्कारोदयम्" नाटक का संयोजन किया गया। महाविद्यालय के सभी पात्रों का अभिनय सराहनीय रहा एवं गायत्री ने सभी नाटकों में से सर्वोत्तमा खलनायिका का पुरस्कार प्राप्त किया जो कि महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। छात्रों में रूपक महोत्सव को लेकर बडा उत्साह दिखा जो कि भविष्य में महाविद्यालय के सांस्कृतिक विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा और छात्रों में शैक्षिक विकास के साथ - साथ सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रति रुचि विकसित होगी।

महाविद्यालय के प्राचार्य जी के सफल मार्गदर्शन एवं सभी प्राध्यापकों कर्मचारियों और विद्यार्थियों के सहयोग से यह रूपक महोत्सव पूर्ण रूप से सफल रहा।

संयोजक
डॉ. बुद्धिबल्लभ देवराडी

प्राचार्य
डॉ. विष्णु दत्त शर्मा